प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA

वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

**संचार विभाग,** केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
**Department of Communication**, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

**6 नवंबर 2026**

## एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण का क्षेत्रवार अभिनियोजन – सितंबर 2026

वर्ष 2026 के सितंबर माह के लिए गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्रवार अभिनियोजन संबंधी आंकड़े, जो प्रमुख एनबीएफसी और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) से जुटाए गए हैं, विवरण[1] में दिए गए हैं।

वर्ष-दर-वर्ष (व-द-व) आधार पर, सितंबर 2026 में एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण में 15.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 13.3 प्रतिशत थी।

**30 सितंबर 2026 को समाप्त माह के लिए एनबीएफसी द्वारा प्रदत्त ऋण के क्षेत्रवार अभिनियोजन की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं:**

- कृषि और संबद्ध कार्यकलापों हेतु प्रदत्त ऋण में सितंबर 2026 में 17.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 5.2 प्रतिशत थी।
- उद्योग क्षेत्र की ऋण वृद्धि सितंबर 2026 में घटकर 7.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) रह गई, जबकि यह सितंबर 2025 में 10.2 प्रतिशत थी। उद्योग क्षेत्र के अंतर्गत, 'आधारभूत संरचना' में ऋण वृद्धि धीमी रही।
- सेवा क्षेत्र को प्रदत्त ऋण की वृद्धि सितंबर 2026 में कम होकर 17.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) रह गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 23.0 प्रतिशत थी। जहां, 'वाणिज्यिक स्थावर संपदा' क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में तीव्र बढ़ोतरी हुई, वहीं 'व्यापार' और 'परिवहन परिचालक' क्षेत्रों में भी उच्च ऋण वृद्धि देखी गई।
- खुदरा ऋणों की वृद्धि सितंबर 2026 में बढ़कर 21.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 16.8 प्रतिशत थी। खुदरा क्षेत्र के अंतर्गत, 'आवास ऋणों', 'स्वर्ण आभूषण के बदले ऋणों' और 'वाहन ऋणों' में तीव्र ऋण वृद्धि देखी गई।

**अजीत प्रसाद**
उप महाप्रबंधक (संचार)

**प्रेस प्रकाशनी: 2026-2027/1461**

---

[1] ये आंकड़े अनंतिम हैं, जो माह के अंतिम दिन को रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के अनुसार हैं। एनबीएफसी के क्षेत्रवार ऋण संबंधी आंकड़े (i) अपर एवं मिडिल लेयर की एनबीएफसी, और (ii) एचएफसी के सैम्पल पर आधारित हैं, जो 'भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25' (आरटीपी 2024-25, सितंबर 2025 को यथास्थिति बकाया) में प्रकाशित डेटा के संबंध में कुल ऋण का लगभग 87 प्रतिशत होता है।